गोंद उत्पादन कर आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करें किसान : टोप्पो

ठेठईटांगर में गोंद उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सिमडेगा | ठेठईटांगर प्रखंड के बाघचट्टा पंचायत भवन में गोंद उत्पादन विषय पर एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। ग्रामीण विकास ट्रस्ट और ट्राईफेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में प्रखंड के सौ किसानों को गोंद उत्पादन के बारे विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर प्रशिक्षण समन्वयक दिलेर टोप्पो ने कहा कि केंउंझी के पेड़ से वैज्ञानिक तरीके से गोंद इकट्ठा किया जा सकता है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और उन्हें रोजगार मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि बाजार में इस गोंद की उत्तम किस्म का दाम 25 सौ रुपए प्रति किलोग्राम है और एक पेड़ से एक सीजन में छह से आठ किलोग्राम गोंद इकट्ठा किया जा सकता है। ट्रस्ट के वरिष्ठ प्रबंधक बीके सहाय ने कहा कि संस्था द्वारा ग्रामीणों के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। स्थानीय संसाधन का समुचित उपयोग करते हुए आजीविका के साधन को बढ़ाया जा सकता है। किसानों को जंगल ले जाकर केंउंझी के पेड़ से गोंद निकालने की विधि बताई गई। डॉ. एससी शर्मा ने वैज्ञानिक तरीके से लाह के प्रयोग के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के जिला समन्वयक अफान अहमद ने किया। इस मौके पर सुशील तिर्की, प्रमुख जेरोम मिंज, मुखिया मथियस बागे, पंचायत सेवक रसीद कोटवार, मनोज मिश्रा आदि उपस्थित थे।

गोंद उत्पादन के बारे प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक।

गांद उत्पादन का प्रशिक्षण प्राप्त करता किसान।

गोंद उत्पादन की जानकारी दी

ठेठईटांगर। ग्रामीण विकास ट्रस्ट और ट्राइफेड के संयुक्त तत्वावधान में बाघचट्टा पंचायत भवन में गोंद उत्पादन विषयक एक दिवसीय तकनीकी ट्रेनिंग शिविर का आयोजन किया गया। इसके पूर्व संस्था द्वारा क्षेत्र के 20 युवाओं का चयन कर भारतीय राल एवं गोंद संस्थान रांची द्वारा ट्रेनिंग दिलाया गया। संस्था के प्रशिक्षण समन्वयक दिलेश्वर टोप्पो ने कहा कि योजना के तहत क्षेत्र के किसान वैज्ञानिक तरीके से गोंद इकट्ठा कर इससे होने वाले लाभ से अपना आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने बताया वर्तमान में उत्तम किस्म के गोंद का कीमत दो हजार पांच सौ रुपए प्रति किलो है। जबकि एक पेड़ से सीजन में करीब छह से आठ किलो गोंद इकट्ठा होता है। ट्रस्ट के वरिष्ठ प्रबंधक बी के सहाय ने कहा कि संस्था ग्रामीणों को विकास के लिए कटिबद्ध है। डा. एससी शर्मा ने कृषकों को जंगल ले जाकर गोंद निकालने के बारे में जानकारी दिया। कार्यक्रम का संचालन मो. अफान अहमद ने किया। मौके पर प्रमुख जेरोम मिंज, मुखिया मतियस बागे, पंसे राशिद कोटवार, मनोज कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

किसानों को जानकारी देते ट्रेनर।